Urgent
DIO NIC
Pl. upload on
NIC website.
28/04/15
B.S.A.

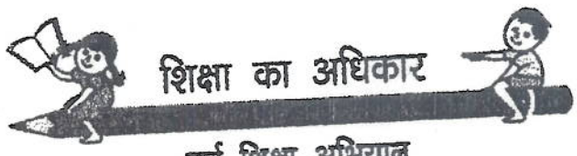

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

राज्य परियोजना कार्यालय,
उ0प्र0 सभी के लिए शिक्षा परियोजना परिषद्, विद्या भवन, निशातगंज, लखनऊ –226 007

प्रेषक

राज्य परियोजना निदेशक,
सर्व शिक्षा अभियान
निशातगंज, लखनऊ।

सेवा में,

1. मण्डलीय सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक)
समस्त मण्डल।
2. जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी,
समस्त जनपद।

पत्रांकः उ0प्र0शासन प्रक0/399/2015–16 दिनांक 28 अप्रैल 2015

विषयः–मा0 मंत्री, बेसिक शिक्षा उ0प्र0 शासन द्वारा प्रदेश के समस्त अध्यापकों को सम्बोधित पत्र के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया बेसिक शिक्षा परिषद् के नियंत्रणाधीन समस्त प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के अध्यापकों को सम्बोधित, मा0 बेसिक शिक्षा मंत्री, उ0प्र0 शासन, के पत्र दिनांक 28.04.2015 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। (पत्र की छायाप्रति संलग्न)

उक्त पत्र आपको इस आशय से प्रेषित किया जा रहा है कि पत्र में अन्तर्निहित भावना का व्यापक प्रचार प्रसार करते हुए पत्र की प्रति जनपद के समस्त अध्यापकों के संज्ञान में लायी जाये।

यह भी अपेक्षा है कि उक्त पत्र की प्रतिलिपि प्रत्येक खण्ड शिक्षा अधिकारी, ब्लॉक संसाधन केन्द्र समन्वयक एवं न्याय पंचायत केन्द्र समन्वयक प्रत्येक भ्रमण में अपने साथ रखेगें तथा विद्यालयों में शिक्षकों से चर्चा कर पत्र की भावना से अवगत करायेगें तथा जनपदीय एवं मण्डलीय अधिकारी भी अपने भ्रमण के समय उक्त पत्र की चर्चा अवश्य करेगें।

उपर्युक्त आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाये।

संलग्नक–उक्तवत्।

भवदीया,

(शीतल वर्मा)
राज्य परियोजना निदेशक

दूरभाषः 2780995 फैक्सः 0522-2781123, 2780998 ई–मेलः spdup@rediffmail.com; upefaspo@gmail.com वेब–साइटः www.upefa.com

पृ0सं0–उ0प्र0शासन प्रक0/ /2015–16 तद्दिनांक।

प्रतिलिपि–निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. निजी सचिव, मा0 बेसिक शिक्षा मंत्री जी, उ0प्र0 शासन को मा0 मंत्री जी के अवलोकनार्थ प्रेषित।
2. सचिव, बेसिक शिक्षा, शिक्षा अनुभाग–5 उ0प्र0 शासन।
3. जिलाधिकारी एवं अध्यक्ष, जिला शिक्षा परियोजना समिति, समस्त जनपद, उ0प्र0।
4. शिक्षा निदेशक, (बेसिक) बेसिक शिक्षा निदेशालय, निशातगंज, लखनऊ।
5. निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, उ0प्र0।
6. सचिव, बेसिक शिक्षा परिषद्, उ0प्र0 इलाहाबाद।
7. प्राचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, समस्त जनपद।
8. जिला समन्वयक, प्रशिक्षण समस्त जनपद।

(शीतल वर्मा)
राज्य परियोजना निदेशक

राम गोविन्द चौधरी
मंत्री
बेसिक शिक्षा,
(प्रभारी मंत्री-जौनपुर, गाजीपुर एवं सोनभद्र)

मंत्री
उत्तर प्रदेश

अ0शा0 पत्रांक 658/मं0बे0शि0-बा0वि0पु0/2015
कार्यालय : 0522-2238067
सी.एच. : 0522-2213308
आवास : 0522-2235074
82 - मुख्य भवन,
विधान भवन, लखनऊ

दिनांक 28.04.2015

आदरणीय गुरूजन,

आशा है कि आप सपरिवार कुशलमंगल होंगे। अन्य बोर्ड के स्कूलों की भाँति इस वर्ष हमारे प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों का शिक्षा सत्र 01 अप्रैल, 2015 से प्रारंभ हो गया है और मुझे विश्वास है कि आप नवीन शिक्षा सत्र हेतु पूरे उत्साह के साथ तैयार होंगे। नवीन शिक्षा सत्र 2015–16 शासन की अपेक्षानुरूप रहे इसके लिये आपको अग्रिम शुभकामनायें।

विगत वर्षों में अध्यापकों की भारी कमी के कारण आप पर शिक्षण का बहुत अधिक दबाव रहा है जिसके कारण शिक्षण की गुणवत्ता प्रभावित होना स्वाभाविक था, परंतु इस बीच एक लाख से अधिक शिक्षकों की नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप लगभग सभी विद्यालयों में छात्रों की संख्या के अनुपात में शिक्षकों की तैनाती हो चुकी है। हो सकता है कि कुछ जनपदों में अभी भी वांछित शिक्षक न हों इसके लिये नियुक्ति की प्रकिया गतिमान है और एक–दो माह में ही अपेक्षित शिक्षक सभी विद्यालयों में उपलब्ध हो जायेंगे। इसके अतिरिक्त अधिक से अधिक अध्यापकों को प्रोन्नति के अवसर उपलब्ध कराने हेतु अनुभव की शर्तो में शिथिलता करते हुए काफी संख्या में प्राथमिक विद्यालयों के अध्यापकों की पदोन्नतियाँ की जा रही है।

आप पर छात्रों को शिक्षा और संस्कार देने के साथ–साथ उन्हें नैतिक रूप से समृद्वशाली बनाने की भी जिम्मेदारी है, किंतु आपके बीच कार्य करते हुए मेरा अनुभव है कि परिषदीय अध्यापक इसमें अपेक्षानुरूप सफल नहीं हो रहे हैं। समय–समय पर किए गए विभिन्न सरकारी निरीक्षणों में हमारे कक्षा–5 से 8 तक के छात्र दो–तीन के पहाड़े भी नहीं सुना पाये हैं। हिन्दी के पाठों के सरल वाक्यों को ठीक से पढ़ नहीं पाये हैं। यह हमारे लिए चिंतनीय है। नित्य ही समाचार पत्रों या मीडिया चैनलों में बड़े हास्यास्पद ढंग से प्राथमिक शिक्षा प्रदान करने में हमारी विफलता की चर्चा होती रहती है। इन सबसे मुझे अत्यन्त पीड़ा होती है।

जनप्रतिनिधियों एवं समाचार पत्रों से प्राप्त सूचना के अनुसार अध्यापक समय से विद्यालय नहीं पहुँच रहे हैं, पठन–पाठन में भी अपेक्षित रूचि नहीं ले रहे हैं, जिसके कारण हमारे विद्यालयों की छात्र संख्या में गिरावट आ रही है। इस बात की पुष्टि के लिये दूरदर्शन चैनलों द्वारा कुछ स्टिंग आपरेशन किये गये जिसमें स्कूलों की दशा, गन्दगी, सभी छात्रों से पूछे गये प्रश्नों का उत्तर न दे पाने यहां तक कि शिक्षकों द्वारा भी माननीय प्रधानमंत्री/माननीय मुख्यमंत्री जी तक का सही नाम न बता पाने को जोर–शोर से दिखाया गया। यह देखकर मुझे तो बहुत असहज स्थिति का अनुभव हुआ पता नहीं आपको क्या अनुभूति हुई होगी।

परिषदीय विद्यालयों में निःशुल्क शिक्षा, पाठ्य पुस्तकें, कार्यपुस्तिकाएं, यूनीफार्म एवं मध्यान्ह भोजन की व्यवस्था की गई है। वर्ष 2015–16 में उच्च प्राथमिक विद्यालय के छात्र–छात्राओं के लिए फर्नीचर की भी व्यवस्था की जा रही है। विद्यालयों में पर्याप्त अवस्थापना सुविधाएँ भवन, कक्षा कक्ष, शौचालय, पेयजल सुविधा आदि उपलब्ध हैं तथा कोई विशेष कमी प्रतीत नहीं हो रही है। हमारे विद्यालयों में उच्च शिक्षित, प्रशिक्षित एवं योग्य अध्यापक भी हैं, किंतु इन सबके बावजूद परिषदीय विद्यालयों के प्रति जनसामान्य में विश्वास की कमी देखी जा रही है। अभिभावकगण अपने बच्चों को परिषदीय विद्यालयों में भेजने के बजाय फीस, पुस्तक एवं

यूनीफार्म में अच्छी खासी धनराशि व्यय कर दो–तीन कमरों में पब्लिक स्कूल के नाम से संचालित विद्यालयों में भेजने के प्रति उत्सुक रहते हैं। यह अत्यन्त चिंतनीय विषय हैं और इस समस्या का समाधान आपको ही करना है, क्योंकि बच्चों को परिषदीय स्कूल में लाने की प्रेरणा देने का आपसे बेहतर कोई माध्यम नहीं है।

गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी माननीय मुख्यमंत्री जी ने "स्कूल चलो अभियान" के माध्यम से अधिकाधिक बच्चों को परिषदीय/अनुदानित विद्यालयों में प्रवेश दिलाने की अपील की है। हमारा दायित्व बढ़ जाता है कि हम अधिकाधिक बच्चों को परिषदीय विद्यालयों में प्रवेश दिलाकर इस अभियान को सफल बनाने के लिए व्यक्तिगत प्रयास करें। यदि आप गंभीरता से सोचें तो यह पायेंगे कि हमारे विद्यालय बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के मामले में अन्य विद्यालयों से कहीं अधिक सक्षम हैं किन्तु फिर भी हमारे विद्यालय उत्कृष्टता और श्रेष्ठता की ओर अग्रसर नहीं हो पा रहें हैं।

मैंने अध्यापकों के वेतन, सेवानिवृत्त लाभों एवं अन्य देयकों के समय से भुगतान हेतु समय–समय पर निदेशक एवं वित्त नियंत्रक को कड़े निर्देश दिए हैं और उससे आप लोगों की समस्याओं का काफी हद तक निवारण भी हुआ है, फिर भी यदि आपको किसी प्रकार से अपने भुगतान आदि के संबंध में परेशान होना पड़ रहा है तो आप उचित माध्यम से मुझसे सम्पर्क कर सकते हैं या पत्र लिख सकते हैं।

अध्यापकों की मांगों का समाधान करने के बावजूद भी उनकी अनुपस्थिति आदि के संबंध में हमें अनेक शिकायतें प्राप्त होती रहती हैं। विद्यालय में उपस्थिति रहते हैं किन्तु परिश्रम एवं मनोयोग से बच्चों को पढ़ाते नहीं है। शासन ने आपको सम्पूर्ण सुविधायें, प्रतिष्ठित वेतन एवं सम्मान दिया है, फिर भी आपमें से कई लोग अपने दायित्वों का भली प्रकार से निर्वहन नहीं कर रहे हैं। आपको निष्ठा के साथ अपने अध्यापन संबंधी दायित्वों का निवर्हन करना चाहिए ताकि समाज में परिषदीय विद्यालय एवं अध्यापकों की गिरती साख एवं प्रतिष्ठा पुर्नस्थापित हो सके।

"जब जागिये, तभी सवेरा" वाली कहावत को चरितार्थ कर हमें इस शैक्षिक सत्र को पूर्ण उत्साह एवं मनोयोग के साथ शुरू करना होगा। बच्चों में शिक्षा की अभिरूचि पैदा कर शिक्षण कार्य करना चाहिए ताकि वे निर्धारित समयावधि में अपनी कक्षाओं में रहकर पठन–पाठन करें और सफलतापूर्वक अपनी शिक्षा पूरी करे। हमारा यह उद्देश्य होना चाहिए कि जब छात्र प्राथमिक/उच्च प्राथमिक स्तर की शिक्षा पूर्ण कर विद्यालय छोड़े तो वह आगे की कक्षाओं की शिक्षा लेने हेतु पूर्ण रूप से तैयार एवं सक्षम हो। यह आपके लिए गौरवप्रद होगा और हमारे लिए भी संतोषप्रद होगा।

इस पत्र को आप मेरा निवेदन अथवा आदेश मानकर ग्रहण करें और यह सुनिश्चित करें कि समय से विद्यालय पहुँच कर बच्चों को गुणवत्तापरक शिक्षा उपलब्ध कराते हुए उन्हें एक श्रेष्ठ नागरिक बनाने में योगदान करें, जो हम सबका दायित्व भी है।

शुभकामनाओं सहित।

आपका,

(राम गोविन्द चौधरी)

समस्त प्रधानाध्यापक तथा सहायक अध्यापकगण,
प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय,
उत्तर प्रदेश।